वीयू– शिक्षा में नवाचार के लिए कर्मयोगी बने विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

राजभवन, भोपाल के निर्देशानुसार नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति प्रो मनदीप शर्मा जी के दिशा–निर्देश में **कर्मयोगी बने** विषय पर एक दिवसीय बेनस्ट्रोमिंग कार्यशाला का आयोजन आज दिनांक 12 मार्च 2025 को होटल कल्चुरी में किया गया। कार्यशाला का आयोजन कुलपति प्रो. मनदीप शर्मा जी के संरक्षण, विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं एवं संयोजक डॉ. श्रीकांत जोशी रहे कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नवीन शर्मा जी उपस्थित रहे। इस एक दिवसीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय संचालित तीनों वेटरनरी कॉलेज तथा फिशरी कालेज से 50 छात्र – छात्राओं तथा 60 प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का शुभारंभ मंचासीन माननीय कुलपति प्रोफेसर मनदीप शर्मा मुख्य वक्ता डॉ. नवीन शर्मा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. श्रीकांत जोशी तथा प्रभारी अध्यक्षता वेटरनरी कॉलेज जबलपुर डॉ. जी दास द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन से किया गया तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का स्वागत व सम्मान पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मुख्य तौर से यह जानने हेतु किया गया की कैसे शिक्षाविद एक समर्पित एवं उद्देश्य पूर्ण संस्कृति बनाने में चुनौतियों का सामना करते हैं व कैसे इन चुनौतियों से निपटने का रास्ता निकाल सकते हैं। जिसमें शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में

नवाचार और उत्कृष्टता के लिए नए विचारों और रणनीतियों पर चर्चा की गई। कार्यशाला संयोजक डॉ श्रीकांत जोशी जी ने **"कर्मवीर बने"** सरकार की इस पहल के बारे में अपने उद्बोधन में बताया

कार्यशाला के दौरान दो टेक्निकल सत्र रखे गए प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. नवीन शर्मा जी ने प्रेजेंटेशन के माध्यम इससे जुड़े मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला तथा अपने विचार साझा किए तत्पश्चात उपस्थित, विशेषज्ञों व प्राध्यापको प्रश्न रखें और एक बहुत ही महत्वपूर्ण इंटरएक्टिव सेशन हुआ जिसमें कुलपति, संचालक अनुसंधान सेवाएं तथा मुख्य वक्ता ने उत्तर दिए व शिक्षा तंत्र को कैसे छात्र –छात्राओं के हितार्थ सुलभ व सुदृढ़ बनाने हेतु अपने सुझाव सबके सम्मुख प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र में प्राध्यापकों ने अपने दैनिक संपादन के कार्यों में महसूस हो रही चुनौतियां को बताया तथा उनसे कैसे निपटा जा सके यह भी सुझाव रखें इसी क्रम में उपस्थित छात्राओं द्वारा भी शिक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में महसूस हो रही कमियों को बताया साथ ही किस प्रकार उन कमियों को दूर किया जा सके जो की एक छात्र स्तरीय सोच को सभी के सामने रखा। सत्र की अध्यक्षता डॉ. शोभा जावरे और डॉ. यामिनी वर्मा ने की, जबकि डॉ. एसएम त्रिपाठी, डॉ. क्षेमांकर शर्मन, अनिल गट्टानी और कुश श्रीवास्तव ने रिपोर्टियर की भूमिका निभाई। इस ब्रेनस्टॉर्मिंग कार्यशाला के परिणाम स्वरूप निम्न निष्कर्ष सामने आए जिसमें

विशेषज्ञों ने शिक्षा में अंतर्विषयक, बहुविषयक और ट्रांसडिसिप्लिनरी अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संकाय को पांच मूल्यों – ईमानदारी, जवाबदेही, जिम्मेदारी, अनुकूलन और आत्म–प्रेरणा को अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यशाला के निष्कर्षों में यह भी कहा गया है कि संस्थान को उद्देश्य–निर्देशित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और विश्वविद्यालय को छात्र–केंद्रित शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार, उद्योग भागीदारी और समुदाय–निर्देशित सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित एक विशिष्ट दृष्टि और मिशन तैयार करना चाहिए।

कार्यक्रम के संरक्षक माननीय कुलपति प्रोफेसर मनदीप शर्मा जी ने अपने उद्बोधन में महामहिम राज्यपाल महोदय, मुख्यमंत्री महोदय तथा तात्कालिक सरकार को धन्यवाद दिया कि इस प्रकार के विषय पर कार्यशाला को आयोजित करने हेतु सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया। कुलपति महोदय ने भारत सरकार की विकसित भारत 2047 योजना को साकार करने हेतु इस तरह के मंथन को बहुत उपयोगी बताया और कहां कि भारत को विश्व गुरु बनाने हेतु यह बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा भारत को शीर्ष पर ले जाने के लिए, सभी देशवासियों के हृदय में आध्यात्मिक ज्ञान सराबोर जो हम सभी को कर्म योग करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने अपने उद्बोधन से छात्राओं को तथा उपस्थित जनों को प्रेरित किया और कहा हमें अपने निहित कर्म करते हुए आगे बढ़ना चाहिए

साथ ही यह कहा आनन्द से परमानंद तक जाना है तो कर्मयोगी व ज्ञान योगी बनना जरूरी है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी गण, डॉ. श्रीकांत जोशी, डॉ सुनील नायक, डॉ. जी.पी. लखानी, प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. जी. दास, डॉ. शोभा जावरे, डॉ. अपरा शाही, डॉ. घोष, डॉ. बी. राय, डॉ. रणविजय सिंह, डॉ. मोहन सिंह, सह संयोजक डॉ. गर्ग, डॉ. असित, डॉ. पूनम शाक्य, रामकिंकर मिश्रा व सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सोना दुबे आदि उपस्थित रहे।

मंच संचालन डॉ. आकांक्षा सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक डॉ. अक्षय गर्ग ने दिया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर